सांध्य दैनिक

# 4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 174 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 29 जुलाई, 2024

मूल्य ₹ 3/-

सज्जन की जाति न पूछ कर उसके ज्ञान को समझना चाहिए। तलवार का मूल्य होता है न कि उसकी म्यान का।

-कबीर दास

जिद...सच की


हेमंत सोरेन पर जज का फैसला बिल्कुल... 7 | फिर आतंक की चपेट में आया... 3 | सपा में पीडीए के लिए कोई... 2


# यूपी विधानसभा में विपक्ष का योगी सरकार पर जोरदार प्रहार

## प्रदेश की कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं समेत जनहित के मुद्दों पर बीजेपी को घेरा

- सपा ने सड़क से सदन तक किया प्रदर्शन
- सीएम योगी ने सबसे मांगा सहयोग
- उत्तर प्रदेश इस समय बहुत गंभीर मुद्दों का सामना कर रहा है : माता प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानमंडल का मानसून सत्र आज से शुरू हो गया। सत्र शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। सपा, कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने बीजेपी की योगी सरकार पर प्रदेश की कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं समेत जनहित के मुद्दों पर घेरना शुरू कर दिया। सूखा, बाढ़, बिजली कटौती और किसानों के मुद्दे पर भी विपक्ष हमलावर रहा। गौरतलब हो कि मानसून सत्र आज ही शुरू हुआ है। यह 2 अगस्त तक चलेगा। 30 को अनुपूरक बजट आएगा। वहीं सरकार एक दर्जन से ज्यादा अध्यादेश पारित कराएगी।

प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान सरकार जहां चालू वित्तीय वर्ष (2024-25) के लिए करीब अपना पहला अनूपूरक बजट पेश करेगी। इस बजट का आकार 20-05 हजार करोड़ रुपये का होने का अनुमान है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना 30 जुलाई को अनुपूरक पेश करेंगे, जिसे एक अगस्त को पारित किया जाएगा। इसके अलावा सत्र में एक दर्जन से अधिक अध्यादेशों को भी पारित कराया जाएगा। रविवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में सभी दलीय नेताओं ने सुचारू रूप से सदन चलाने में सहयोग करने का भरोसा दिया है। उत्तर प्रदेश के विपक्ष के नेता और सपा विधायक माता प्रसाद पांडे कहते हैं, कि राज्य इस समय बहुत गंभीर मुद्दों का सामना कर रहा है, बाढ़, कानून व्यवस्था की समस्या और भ्रष्टाचार भी।

फोटो: सुमित कुमार

### सपा का प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश विधानसभा सत्र के पहले दिन समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायकों ने बिजली, बाढ़ और कानून व्यवस्था के मुद्दों को लेकर सदन में आकर विरोध प्रदर्शन किया।

### सपा विधायकों का जोरदार हंगामा

पहले ही दिन सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला और समाजवादी पार्टी के विधायक नारेबाजी करते हुए वेल में आ गए। इस दौरान सपा विधानसभा हाथ में पोस्टर भी लिए हुए थे। इस दौरान अध्यक्ष सतीश महाना सपा विधायकों को शांत रहने की अपील करते नजर आए। लेकिन उनकी अपील की अनदेखी करते हुए विधायक हंगामा करते रहे।

### विधानसभा में अखिलेश की कुर्सी पर बैठे माता प्रसाद

यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने समाजवादी पार्टी के नेता माता प्रसाद पांडे का स्वागत किया, जिन्हें सदन में नेता प्रतिपक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। वह विधानसभा में अखिलेश की कुर्सी पर बैठे थे। इस दौरान उनके साथ शिवपाल यादव बैठे हुए थे।

### माता प्रसाद पांडेय ने सीएम योगी को दी बधाई

उत्तर प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और सपा विधायक माता प्रसाद पांडेय ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को बधाई दी। उधर उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने समाजवादी पार्टी के नेता माता प्रसाद पांडेय का स्वागत किया, जिन्हें सदन में विपक्ष का नेता नियुक्त किया गया है। माता प्रसाद ने सदन में भाषण भी दिया और प्रदेश के लिए अपनी बाते रखीं।

### सीएम योगी ने नए मंत्रियों का कराया परिचय

विधानसभा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रिमंडल के चार नए मंत्रियों ओपी राजभर, अनिल कुमार, दारा सिंह चौहान और सुनील शर्मा का सदन में परिचय कराया।

## लोकसभा में कोचिंग हादसे व बजट को लेकर हंगामा

- विद्यार्थियों की मौत पर चर्चा के लिए रास में स्वाति ने दी नोटिस
- विपक्ष ने एनडीए सरकार पर किया हमला
- दिल्ली के हादसे में न हो राजनीति : कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित यूपीएससी कोचिंग सेंटर में पानी भरने से विद्यार्थियों की मौत का मामला थमता नजर नहीं आ रहा है। ये मामला अब संसद तक पहुंच गया है। सांसद स्वाति मालीवाल ने यूपीएससी विद्यार्थियों की मौत पर चर्चा के लिए राज्यसभा में नोटिस दिया है। लोकसभा में बजट सत्र के दौरान भी सदन में जोरदार वार-पलटवार जारी रहा।

सोमवार को दिल्ली में 3 छात्रों की मौत का मुद्दा उठा। बीजेपी सांसद बासुंरी स्वराज ने कोचिंग सेंटर में हादसे पर दिल्ली सरकार को घेरा। उन्होंने कहा ओल्ड राजेंद्र नगर में नाले का पानी कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में घुस गया। तीन छात्रों की मौत हो गई। ये बच्चे तेलंगाना, केरल और यूपी से आए थे। ये बच्चे आईएएस की तैयारी के लिए आए थे, अपना भविष्य उज्ज्वल करने आए थे, लेकिन दिल्ली सरकार की आपराधिक के कारण उन्होंने अपनी जान गंवा दी। बांसुरी स्वराज ने आम आदमी पार्टी सरकार को घेरते हुए कहा कि एक दशक से आप सत्ता भोग रही है, लेकिन हालात बदतर हैं, ओल्ड राजेंद्र नगर में हुआ, 22 जुलाई और 24 जुलाई को दो दिन से लगातार स्थानीय विधायक और पार्षद से इसकी शिकायत कर रह थे, स्वराज ने उस मामले में समिति बैठाकर जांच करवाने की मांग की। कांग्रेस सांसद एमपी मणिकम टैगोर ने दिल्ली के राजेंद्रनगर में हुई घटना पर कहा कि इसपर राजनीति नहीं करनी चाहिए। वहीं कोटा में छात्रों के सुसाइड के मुद्दे पर शिक्षा राज्यमंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि राजस्थान सरकार ने कोचिंग संस्थानों के लिए 2022 और 2023 में गाइडलाइंस जारी की थीं और उसे कोटा प्रशासन ने लागू किया था।

### संसद के दोनों सदनों में केंद्रीय बजट पर चर्चा शुरू

23 जुलाई को पेश किए गए केंद्रीय बजट 2024-25 पर चर्चा सोमवार को संसद के दोनों सदनों में जारी रहेगी। उधर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार को बजट पर घेरा।

### क्या सरकार बुलडोजर चलाएगी : अखिलेश

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा में दिल्ली कोचिंग सेंटर में 3 छात्रों की मौत का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ये घटना दर्दनाक है। हम तो यूपी में देख रहे हैं, जहां अवैध इमारत बनती है... सरकार बुलडोजर चलाती है, क्या ये सरकार बुलडोजर चलाएगी। वहीं लोकसभा में पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भी कोचिंग सस्थानों में सुरक्षा और नियमों की अनदेखी का मुद्दा उठाया। उन्होंने बेंगलुरु में तानिया की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि वह हमारे बिहार की बच्ची थी। मिडिल क्लास से आती थी, उसकी मौत परसों हुई है, बिहार के बच्चे कोटा या फिर दिल्ली तैयारी करने आते हैं, लेकिन कोचिंग सस्थानों में नियमों की अनदेखी हो रही है।

### लोकसभा ने ओलंपिक में पदक जीतने पर मनु भाकर को दी बधाई

लोकसभा ने पेरिस ओलंपिक में देश के लिए पहला पदक जीतने पर भारतीय महिला निशानेबाज मनु भाकर को सोमवार को बधाई दी और अन्य भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की कामना की। सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मनु भाकर के कांस्य पदक जीतने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, "28 जुलाई को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतिस्पर्धा में मनु भाकर ने कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। बिरला ने कहा, मैं सदन की ओर से और अपनी ओर से मनु भाकर को बधाई देता हू. अन्य भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हैं और आशा करते हैं कि वे देश का मान-सम्मान बढ़ाएंगे, सदस्यों ने मेज थपथपाकर मनु भाकर की सराहना की।

# सपा में पीडीए के लिए कोई जगह नहीं : मायावती

## बोलीं- जाति विशेष को छोड़कर बाकी कठपुतली, माता प्रसाद पांडेय को नेता प्रतिपक्ष बनाने पर अखिलेश को घेरा

**» बसपा प्रमुख ने कहा- पीडीए को गुमराह कर रही है समाजवादी पार्टी**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने माता प्रसाद पांडेय को यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाने के बाद यूपी की सियासत गरमा गई हैं। इसी क्रम में बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने तीखा हमला किया है। बसपा सुप्रीमो ने सपा अध्यक्ष के फैसले पर नाखुशी जताते हुए पीडीए को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सपा में जाति विशेष को छोड़कर बाकी पीडीए के लिए कोई जगह नहीं है।

बसपा सुप्रीमो ने एक्स पर लिखा- सपा मुखिया ने लोकसभा आमचुनाव में खासकर संविधान बचाने की आड़ में यहां पीडीए को गुमराह करके उनका वोट तो जरूर ले लिया, लेकिन यूपी विधानसभा में प्रतिपक्ष का नेता बनाने में जो इनकी उपेक्षा की गई, यह भी सोचने की बात जबकि सपा में एक जाति विशेष को छोड़कर बाकी पीडीए के लिए कोई जगह नहीं। ज्ञात होकि आज यूपी विधानसभा का मानसून सत्र शुरू हो रहा है. इससे ठीक पहले सपा ने माता प्रसाद पांडेय को बड़ी जिम्मेदारी दी है। सपा की तरफ से माता प्रसाद पांडेय को नेता प्रतिपक्ष बनाया है। जबकि इस पद के लिए दलित चेहरे इंद्रजीत सरोज और चाचा शिवपाल सिंह यादव का नाम सबसे आगे था। सांसद बनने से पहले ये पद सपा चीफ अखिलेश यादव के पास था। माता प्रसाद पांडेय सिद्धार्थनगर की इटवा विधानसभा विधायक हैं।

### ब्राह्मण समाज का सबसे ज्यादा विकास बसपा सरकार में

ब्राह्मण समाज की तो कतई नहीं क्योंकि सपा व भाजपा सरकार में जो इनका उत्पीड़न व उपेक्षा हुई है वह किसी से छिपा नहीं। वास्तव में इनका विकास एवं उत्थान केवल बीएसपी सरकार में ही हुआ,अतः ये लोग जरूर सावधान रहें।

### पूर्वांचल में सपा से जुड़ेंगे सवर्ण वोटर

दरअसल सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को सपा के वरिष्ठ नेता माता प्रसाद पांडेय को यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया है। सपा के कई नेता इसे बड़ा दांव मान रहे हैं। उनका कहना है कि इससे पूर्वांचल के ब्राह्मण वोटरों पर असर पड़ेगा और पीडीए के साथ सवर्ण वोट भी सपा के करीब आएगा। माता प्रसाद पांडे सपा के पुराने नेता रहे हैं, वो सपा अखिलेश यादव और उनके पिता मुलायम सिंह यादव के भी करीबी नेताओं में गिने जाते हैं।

# जम्मू कश्मीर में भाजपा को घेरने की तैयारी

**» विधानसभा चुनाव की हलचल तेज, सात अगस्त को विपक्षी दलों की बैठक**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू कश्मीर में संभावित विधानसभा चुनाव की हलचल के बीच विपक्षी दलों की सात अगस्त को बैठक होने जा रही है। बैठक जम्मू में रखी गई है, जिसमें प्रदेश की लगभग सभी विपक्षी पार्टियों की शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। इसे लेकर तैयारियां की जा रही है।

प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर भी कदमताल शुरू हो गया है। सभी पार्टियों ने अपने-अपने स्तर पर चुनाव को लेकर तैयारियों शूरू कर दी हैं। बैठकों का दौर चल रहा है।

कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने घोषणा पत्र बनाने के लिए समितियों को गठन कर दिया है। उधर, भाजपा की तरफ से भी नेताओं को जनता के बीच पहुंचने के लिए कहा गया है। इसी बीच सात अगस्त को जम्मू विपक्ष की बैठक होने जा रही है। इस बैठक में भाजपा को घेरने के लिए रणनीति बनाई जा सकती है। 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद यह इन राजनीतिक दलों की पहली एकीकृत बैठक होगी। अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों ने गुपकार गठबंधन बनाया। इसमें अपनी पार्टी ने भाग नहीं लिया था। सीपीआई(एम) नेता एम वाई तारिगामी ने कहा कि सात अगस्त को सुबह 10 बजे जम्मू के होटल में बैठक होगी।

### एलजी की शक्तियों को बढ़ाने पर भी चर्चा

सूत्रों के अनुसार, बैठक में जम्मू-कश्मीर पुलिस को गृह मंत्रालय के बजट में शामिल करने, उपराज्यपाल की शक्तियों को बढ़ाने और आगामी विधानसभा चुनावों पर चर्चा होने जा रही है। बैठक में अपनी पार्टी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, कांग्रेस, अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस (एएनसी) और अन्य महत्वपूर्ण दलों के शामिल होने की उम्मीद है।

# नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से बात कर गदगद हुए रामचेत

## मोची ने दिया जवाब - साहब सब आपकी कृपा है, आप ही हमारे मसीहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। राहुल गांधी से एक मुलाकात ने जिन रामचेत मोची की जिंदगी ही बदल दी है, रविवार को उनके पास आए एक फोन ने उन्हें गदगद कर दिया। यह फोन था लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का। उन्होंने फोन कर पूछा कि क्या हालचाल है, कोई दिक्कत तो नहीं? जिस पर रामचेत का गला भर आया। खुद को संभालते हुए बोले, साहब, सब आपकी कृपा है, आप ही हमारे मसीहा हैं। जो सम्मान और अपनापन आपने दिया है, उसके लिए पूरा परिवार जीवनभर कर्जदार रहेगा।

सदर तहसील के ढेसरुआ गांव के रहने वाले रामचेत मोची अब किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। मुफलिसी के दौर में जिसे रामचेत फूटी आंख नहीं सुहाते थे, वही अब उनसे हाथ मिलाने को बेकरार हैं। आज उनके पास देश के कोने-कोने से लोग मिलने के लिए पहुंच रहे हैं। अचानक बढ़े सामाजिक कद ने रामचेत को प्रतिष्ठित व्यक्ति बना दिया है। इन सबके बीच रामचेत को चिंता अब इस बात की है कि वे अपना काम नहीं कर पा रहे हैं।रामचेत ने बताया कि राहुल गांधी ने जो मशीन भेजी है, वह बहुत बड़ी है, कारीगर आए थे, मशीन के पुर्जे सेट कर चले गए, बोले कि जब जरूरत होगी तो बताना। अभी उसको चलाने का हुनर उनके पास नहीं है। दुकान खुल नहीं पा रही है। हालांकि रामचेत आज बहुत खुश हैं।

### हरकत में आया प्रशासन, पीएम आवास का फार्म भरवाया

जूता सिलने की मशीन पाने वाले रामचेत के पास न मशीन चलाने के लिए बिजली कनेक्शन है, न ही आवास और न राशन कार्ड। प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देश पर सदर तहसील से कानूनगो हैप्पी सिंह, लेखपाल संदीप सिंह और ग्राम प्रधान अरशद अली रामचेत के घर पहुंचे। पीएम आवास समेत अन्य सरकारी सुविधाओं के बारे बात की और फार्म भरवाया। राशन कार्ड को सही करवाने के लिए कोटेदार भी पहुंचे और जल्द ही राशन कार्ड बनवाने की बात कही।

# अपराधियों के दिलों से डर खत्म होता जा रहा : पप्पू

**» पूर्णिया सांसद ने कसा तंज - कहा, नीतीश और दो डिप्टी सीएम क्या कर रहे**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पूर्णिया। पूर्णिया के डाकबंगला चौक स्थित तनिष्क शोरूम में हुई दो करोड़ की लूट के दूसरे दिन सांसद पप्पू यादव दिल्ली से पूर्णिया पहुंचे। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि अपराधियों के दिलों से डर क्यों खत्म होता जा रहा है। इसी का नतीजा है कि लूट की घटनाएं घटित हो रही हैं।

लूट की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। अपराधी बेलगाम हो चुके हैं। हत्याएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हत्या का मीडिया ट्रायल हो जाता है या फिर बड़े परिवार के लोगों की हत्या होती है तो वह हत्या है। बाकियों पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं होती। तंज कसते हुए पप्पू यादव ने कहा कि पेट और सिर में दर्द हो पप्पू यादव, फिर नीतीश कुमार और दो डिप्टी सीएम क्या करेंगे। ऐसा करें कि इन्हें हटा दें और हमें ही बैठा दीजिए। जो अनर्गल बाते लिखते हैं, उन्हें पहले अपने आकाओं से पूछना चाहिए। जो प्रशासन है उन्हें अपराधी को नहीं पकड़ना है। पुलिस प्रशासन का पूरा समय जमीन के कारोबारी और माफिया के साथ होता है तो फिर वे अपराधी के पीछे कैसे जाएंगे।

# फिर आतंक की चपेट में आया जम्मू-कश्मीर

## खोखले साबित हो रहे केंद्र के शांति बहाली के दावे

- आतंकी घटनाओं में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी
- जम्मू-कश्मीर में इसी साल होने हैं विस चुनाव
- घुसपैठियों को पाक-चीन से मिल रही मदद
- आतंकवादियों ने बदली हमला करने की रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद से भारतीय जनता पार्टी जम्मू-कश्मीर में शांति बहाली और ऑल इज गुड होने के बड़े-बड़े दावे करती रहती है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं में बढ़ोत्तरी देखी गई है, वो केंद्र सरकार के ऐसे सभी दावों को झूठा और खोखला साबित करती है। आलम ये हो गया है कि पूरे प्रदेश में लोग आतंकी वारदातों के चलते डरे हुए हैं। उन्हें हर दम ये ही डर सताता रहता है कि न जाने कब किधर से आतंकी हमला होने लगे और उनकी जान चली जाए। ये दहशत, सरकार के शांति बहाली के दावों की पोल खोलती है। कुछ एक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 46 दिन में हुई सात आतंकी वारदातों में 11 सैन्य जवान शहीद हो चुके हैं। जबकि इन हमलों व वारदातों में 10 आम नागरिकों की भी जान जा चुकी है। रक्षा विशेषज्ञों का ऐसा मानना है कि अब इस पर निर्णायक रणनीति का समय आ चुका है। हर बार आतंकी हमला कर गायब हो गए। इन आतंकियों की जंगलों में अब भी मौजूदगी लोगों को परेशान कर रही है।

साथ ही जम्मू क्षेत्र में भारतीय सेना पर आतंकवादी हमलों में अचानक वृद्धि ने कई विश्लेषकों को पाकिस्तान और चीन के साथ सीमा की स्थिरता पर इसके प्रभाव के बारे में भी सोचने पर मजबूर कर दिया है। वहीं इस साल के अंत में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में जम्मू कश्मीर में होने वाले आगामी चुनावों पर भी इसका प्रभाव पड़ने की आशंका है। इस तरह के हमलों में अचानक वृद्धि एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा करती है कि क्या यह इस बात का संकेत है कि चीन और पाकिस्तान के साथ दो मोर्चों पर लड़ाई कैसी होगी? सेना और अन्य सुरक्षा बलों के खिलाफ हाल ही में हुए हमले कश्मीर में दिखाई देने वाले उत्साह के बिल्कुल विपरीत हैं, क्योंकि हजारों पर्यटक घाटी की प्राकृतिक सुंदरता को देखने के लिए वहां जाते हैं।

सेना के पूर्व कर्नल सुशील पठानिया का कहना है कि बीहड़ और कठिन इलाकों में जल्दबाजी में आतंकवादियों का पीछा करने से हमारे सैनिकों को हानि हो रही है। जिन इलाकों में आतंकवादियों के होने की सूचना है। यहां वहां ग्रेनेड, मोर्टार और गनशिप हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करके उन्हें मार गिराया जाना चाहिए। इस रणनीति का इस्तेमाल पहले भी किया जा चुका है और इसके बहुत अच्छे परिणाम मिले हैं। पूर्व डीजीपी एसपी वेद कहते हैं कि पहले भी आतंकी वारदातें होती थीं। तब आतंकी फिदायीन के रूप में आते थे। हमला कर सात आठ लोगों को मारा और खुद भी मर गए। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा। वह मारने से पहले भागने का रास्ता तय करते हैं। ताकि एक हमला करने के बाद फिर से हमला कर सकें। यह आतंकियों की नई रणनीति है। वह अब फिदायीन बनकर नहीं आते। वह अपने लिए ठिकाना बनाते हैं। फिर घात लगाकर हमला करते हैं। हमला कर भाग जाते हैं। वह जंगल, पहाड़ और युद्ध में लड़ने का प्रशिक्षण लेकर आए हैं। इन तक पहुंचने के लिए ठोस रणनीति बनानी पड़ेगी। पूर्व कर्नल सुशील पठानिया कहते हैं कि सुरक्षा बलों को आतंकवाद विरोधी अभियान चलाते समय सेक्शन और प्लाटून अभ्यास पर ही टिके रहना चाहिए।

### घुसपैठियों को विदेशी तकनीकि मदद मिलने की आशंका

अधिकारियों को संदेह है कि घुसपैठिए कुछ उच्च तकनीकी विदेशी मदद से उच्च सुरक्षा वाले आईबी बाड़ के साथ कमजोरियों की पहचान करने और उनका फायदा उठाने में कामयाब हो सकते हैं। इससे उन्हें बहुस्तरीय सुरक्षा को भेदने के लिए सुरंग खोदने में मदद मिल रही है। जम्मू में तैनात एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमें यह पहचानना होगा कि क्या वे कुछ उच्च तकनीकी विदेशी सहायता से कुछ नई सुरंगें बनाने में सक्षम हैं या नहीं और ऐसा लगता है कि सुरंगें कुछ मानव रहित क्षेत्रों में या कुछ घरों या इमारतों के अंदर खुल रही हैं जिनकी पहचान करना मुश्किल है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात रहकर ऐसी ही कई सुरंगों का पता लगाया था। पिछले तीन महीनों में, जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद से जुड़ी 15 से अधिक घटनाएं दर्ज हुई हैं जिनमें दो अधिकारियों सहित 11 जवान, 5 घुसपैठिए और 9 तीर्थयात्रियों की मौत हुई है। इन आतंकी हमलों में 55 अन्य घायल हुए हैं। सेना के एक अधिकारी ने कहा कि ऐसा लगता है कि वे जम्मू में एलओसी और आईबी में हर तरफ उलझना चाहते हैं। वे जम्मू को चारों तरफ व्यस्त रखना चाहते हैं, ताकि हम यहां प्रतिबद्ध रहें और सीमा पार किसी साहसिक कार्य के बारे में सोचने का समय ही न मिले। अधिकारियों ने दावा किया कि घुसपैठ करने के बाद आतंकी जमीन और पहाड़ों के विशाल इलाकों से होकर गुजरते हैं जहां अब एक भी सुरक्षाकर्मी तैनात नहीं हैं। ये क्षेत्र दो दशकों से अधिक समय से शांतिपूर्ण थे और कश्मीर और लद्दाख में पूर्वी सीमा पर चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए यहां से बलों को हटा दिया गया था।

## अधिकतर घुसपैठिए जम्मू क्षेत्र में हैं सक्रिय

अधिकारियों के मुताबिक, पूरे जम्मू-कश्मीर में सक्रिय 70-80 विदेशी घुसपैठियों में से 55-60 जम्मू क्षेत्र में सक्रिय हैं। ये छोटे-छोटे समूहों में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ज्यादातर विदेशी घुसपैठिये वर्तमान में जम्मू के किश्तवाड़-डोडा और बसंतगढ़ इलाकों में हैं। घुसपैठ के रास्ते जैसी कोई चीज नहीं होती है। यह सीमा के साथ भेद्यता की पहचान करने और उसे पार करने के बारे में है, जिसमें हमेशा बलों के लिए एक हैरान कर देने वाला तत्व होता है। घुसपैठिये ऐसे लोगों के कुछ पुराने नेटवर्क से संपर्क करने में कामयाब रहे हैं जो 1990 के दशक और 2000 के दशक की शुरुआत में आतंकवादियों की मदद करते थे। घुसपैठियों को पहली चाल का फायदा होता है और वे पिछले कुछ महीनों में इन खतरनाक पहाड़ों में छोटे-छोटे समूहों में फैलने में सफल रहे हैं। इसलिए, ऑपरेशन से ज्यादा, हमें खुफिया जानकारी पर ध्यान केंद्रित करना होगा, जिसकी भारी कमी है, खासकर उधमपुर और डोडा-किश्तवाड़ क्षेत्र में। कश्मीर में, इस साल की शुरुआत में कुपवाड़ा और बारामूला के पारंपरिक क्षेत्रों से घुसपैठ के प्रयास किए गए थे। अधिकारियों ने कहा कि उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा से भी प्रयास किए जा सकते हैं। हालांकि, अभी तक उत्तरी से दक्षिणी कश्मीर में घुसपैठियों की आवाजाही नहीं हुई है और यही वजह है कि श्रीनगर शहर अपेक्षाकृत शांत है।

## चुनावों पर पड़ेगा कोई असर?

राजनीतिक मोर्चे पर, यह वाजिब है कि जम्मू-कश्मीर में छह साल के राज्यपाल शासन के बाद होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर लोगों की काफी उम्मीदें हैं। यह अलग बात है कि राज्यपाल पुलिस और अधिकारियों के तबादले को संभालना जारी रखेंगे, जैसा कि दिल्ली में होता है, लेकिन बड़ा बदलाव यह होगा कि राज्य सरकार ही आतंकवादियों के बारे में अपने विचार स्पष्ट करेगी। अगर वाकई चुनाव होते हैं, तो यह एक अलग कश्मीर होगा जहां वे होंगे। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से, फारूक अब्दुल्ला, उनके बेटे उमर और महबूबा मुफ्ती जैसे नेता अप्रासंगिकता के दौर से गुजरे हैं। हाल ही में हुए संसदीय चुनावों में, उमर अब्दुल्ला एक जेल में बंद नेता इंजीनियर राशिद से अजीब तरह से हार गए। इस बात की प्रबल संभावना है कि अगर वे राज्य में मौजूदा सत्ता संतुलन को पलट सकते हैं तो राशिद जैसे और नेता सत्ता में आएंगे। हालांकि, बड़ा सवाल यह है कि क्या हिंसा, चाहे वह मूल कश्मीरियों द्वारा हो या घुसपैठियों द्वारा, वास्तव में सफल चुनावों के साथ समाप्त हो जाएगी?

## आतंकियों के पास हाई क्वालिटी के हथियार

लद्दाख में हुई झड़प के बाद से भारतीय सेना ने चीन के नजदीकी इलाकों में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। यह अनुमान लगाना गलत नहीं होगा कि अगर भारत और पाकिस्तान या भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ता है, तो इस्लामाबाद और बीजिंग दोनों एक-दूसरे के साथ अपनी सैन्य कार्रवाइयों का समन्वय करेंगे और भारत में आतंकवाद में वृद्धि देखी जा सकती है, जो अभी दिखाई दे रही है। विशेषज्ञों का दावा है कि भारतीय सैनिकों पर हमला करने वाले आतंकवादियों के पास हाई क्वालिटी हथियार और रसद मौजूद है। उनके अनुसार, अधिकांश आतंकवादी पाकिस्तान से घुसपैठ करके आए हैं। इसलिए, यह स्पष्ट है कि उन्हें या तो पाकिस्तान या चीन का समर्थन प्राप्त है। अपने दम पर, वे एक मजबूत सेना का मुकाबला करने में असमर्थ हैं। जब उसका अपना देश और सरकार संकट में है, तो पाकिस्तानी सेना ऐसा क्यों करेगी? भारतीय रक्षा हलकों में एक राय है कि पाकिस्तानी सेना यह दिखाना चाहती है कि उसे जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का विरोध करने वालों को आतंकवादियों का काफी समर्थन प्राप्त है।

## सांबा जिला बना आतंकियों का प्रमुख रास्ता

जम्मू में पाकिस्तान से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित सांबा जिला इस साल आतंकवादियों के लिए घुसपैठ का एक प्रमुख रास्ता बनकर उभरा है। इस कारण इस क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों में इजाफा हुआ है। घुसपैठ के लिए आतंकी इंटरनैशनल बॉर्डर, सांबा के उत्तर और कश्मीर के पुराने रूट का इस्तेमाल कर रहे हैं। सबसे बड़ी और भारत के लिए चिंता की बात ये है कि ये आतंकी हाई-टेक तरीकों से सुरंग खोद रहे हैं। कुछ सूत्रों की मानें तो सुरंग खोदने के लिए आतंकियों को विदेशी मदद मिल रही है। आतंकी इन सुरंगों को खोदने के लिए हाई टेक तरीके अपना रहे हैं। ये सुरंग या तो ऐसी जगह खुल रही हैं जो एकदम निर्जन हो या फिर कुछ घरों या इमारतों के भीतर खुल रही हैं। इस वजह से उनकी पहचान करना मुश्किल है। अधिकारियों ने बताया कि घुसपैठियों के समूह सांबा जिले के उत्तर से घुसपैठ कर रहे हैं और फिर आस-पास के कठुआ और पड़ोसी रियासी, उधमपुर, डोडा और किश्तवाड़ जिलों में फैल गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि इन घुसपैठियों को उन अन्य समूहों का सहयोग मिल रहा है, जो पहले ही राजौरी-पुंछ रेंज में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से घुसपैठ कर चुके थे, जिसे पीर पंजाल क्षेत्र के दक्षिण के रूप में भी जाना जाता है। जम्मू और कश्मीर पाकिस्तान के साथ 740 किलोमीटर की नियंत्रण रेखा (एलओसी) और 192 किलोमीटर की अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) साझा करता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# क्यों भारत के टुकड़े-टुकड़े करना चाह रही भाजपा!

*साल 2016 में जेएनयू में एक स्टूडेंट प्रोटेस्ट के दौरान कुछ देश विरोधी नारे लगाने का मामला सामने आया था। इस प्रदर्शन में वर्तमान समय कांग्रेस नेता और तब जेएनयू के अध्यक्ष कन्हैया कुमार का भी नाम घसीटा गया था। हालांकि, कई दिनों तक चली जांच के बाद भी इस मामले में अब तक कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। लेकिन इस घटना के बाद से भाजपा कन्हैया कुमार समेत पूरे विपक्ष को ही टुकड़े-टुकड़े गैंग का कहती रही है। इस लोकसभा चुनाव में भी कन्हैया कुमार के कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने के दौरान बीजेपी के छोटे-बड़े सभी नेताओं ने उन्हें और पूरे विपक्ष को ही टुकड़े-टुकड़े गैंग का बताकर खूब दुष्प्रचार किया था। बीजेपी अक्सर ही खुद को राष्ट्र भक्त पार्टी बताती रहती है। बेशक हो भी सकती है और होना भी चाहिए। लेकिन विपक्ष को टुकड़े-टुकड़े गैंग का कहते-कहते अब बीजेपी के नेता खुद ही भारत के टुकड़े-टुकड़े करना चाह रहे हैं। ये बात मैं अपने मन से कह भी नहीं रहा, बल्कि बीजेपी के अपने ही नेता आए दिन भारत को विभाजित करने की मांगें कर रहे हैं।*

**इस लोकसभा चुनाव में भी कन्हैया कुमार के कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने के दौरान बीजेपी के छोटे-बड़े सभी नेताओं ने उन्हें और पूरे विपक्ष को ही टुकड़े-टुकड़े गैंग का बताकर खूब दुष्प्रचार किया था। बीजेपी अक्सर ही खुद को राष्ट्र भक्त पार्टी बताती रहती है। बेशक हो भी सकती है और होना भी चाहिए।**

*संसद के मानसून सत्र के दौरान ही झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने देश के तीन अहम राज्यों को तोड़कर एक नए केंद्र शासित प्रदेश को बनाने की मांग की। तो वहीं पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने बंगाल को तोड़ने की बात कही है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में ये मांग की कि बंगाल के मालदा, मुर्शिदाबाद, बिहार के अररिया, किशनगंज, कटिहार और झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र को इन राज्यों से तोड़कर एक अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाया जाए। जाहिर है कि बीजेपी नेता की ओर से ये मांग सिर्फ भाजपा की राजनीति को चमकाने के उद्देश्य से की जा रही है। लेकिन आप खुद सोचकर देखिए अगर ये ही मांग किसी विपक्षी सांसद ने की होती तो अब तक भाजपा उसे न जाने क्या-क्या बोल चुकी होती और देशद्रोही व राष्ट्र विरोधी तो घोषित ही कर देती। लेकिन जब अपना ही सांसद ऐसी मांग कर रहा है तो उस पर कुछ नहीं कहा जा रहा है। वहीं निशिकांत दुबे से पहले बंगाल बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने उत्तर बंगाल को पूर्वोत्तर में शामिल करने का अनुरोध किया था। इससे पहले भी भाजपा नेताओं ने उत्तर बंगाल के जिलों को एक अलग राज्य या केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग उठाई है। अखंड भारत की बात करते-करते अब बीजेपी नेता मौजूदा भारत के ही खंड-खंड करना चाह रहे हैं। आखिर बीजेपी को देश को तोड़ने, संविधान को बदलने और इतिहास से छेड़छाड़ करने में क्या मजा आता है? ये सब करके बीजेपी आखिर क्या हासिल करना चाहती है? क्योंकि इससे पहले लोकसभा चुनावों के वक्त भाजपा नेताओं ने संविधान बदल देने की बात कही थी। अब सरकार बनने के बाद भारत को तोड़ने और विभाजित करने की बात कह रहे हैं। क्या ऐसे बनाएंगे अखंड भारत?*

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# शहादत से उपजा राष्ट्रभक्ति-समर्पण का ज्वार

प्रो. प्रेम कुमार धूमल

पच्चीस साल पहले कारगिल का संघर्ष क्या शुरू हुआ ऐसा लगा जैसे सारा राष्ट्र और प्रत्येक नागरिक देश के लिए कुर्बानी देने को तैयार था। देशभक्ति से ओतप्रोत विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री, स्व. अटल बिहारी वाजपेयी सभी चुनौतियों और व्यक्तिगत सुरक्षा के खतरों को नजरअंदाज करते हुए 2 जुलाई, 1999 को सीमा पर तैनात युद्धरत सैनिकों की पीठ थपथपाने के लिए स्वयं सीमा पर जा पहुंचे। प्रधानमंत्री को अपने साथ सीमा पर खड़ा देखकर सैनिकों का साहस तो सातवें आसमान पर पहुंचना स्वाभाविक था। पांच जुलाई, 1999 को हम कारगिल के युद्ध क्षेत्र में जाने के बाद श्रीनगर के सैनिक अस्पताल में उपचाराधीन घायल सैनिकों को दैनिक उपयोग का आवश्यक सामान दे रहे थे। एक जवान चादर ओढ़े हुए लेटा था। उसने सामान पकड़ा नहीं, हमने बिस्तर के साइड टेबल पर सामान रखा और आगे बढ़ने लगे तभी डॉक्टर ने कहा कि माइन ब्लास्ट में इस वीर सैनिक के दोनों हाथ और दोनों पैर चले गए थे। हम फिर मुड़े और पूछा कि 'बहुत दर्द होता होगा', सैनिक ने उत्तर दिया, 'कल शाम से नहीं हो रहा है।'

हमने पूछा क्या कोई दर्द निवारक दवाई ली या टीका लगा? उसने उत्तर दिया 'नहीं, कल शाम (4 जुलाई को) हमने टाइगर हिल वापस ले लिया और तिरंगा फहरा दिया, मेरा दर्द चला गया।' राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना को शत-शत नमन। आजकल एक और विवाद देखने को मिला यहां शहीद की नौजवान विधवा ने मरणोपरांत मिलने वाले सम्मान व आर्थिक सहायता को शहीद के मां-बाप के साथ साझा करना उचित नहीं समझा। ऐसी समस्याएं आपरेशन विजय के बाद भी आई थीं। अधिकतर विधवाएं नवविवाहिता थीं और उनका पुनर्विवाह होना न्यायोचित भी था, परन्तु बुजुर्ग मां-बाप का सहारा भी तो शहीद जवान ही होता था। इसलिए पुनर्विवाह के समय प्रदेश और केन्द्र सरकार की ओर से मिली सारी की सारी अनुदान राशि, पेट्रोल पम्प या गैस एजेंसी आदि सभी को साथ ले जाना मां-बाप के साथ अन्याय था।

अधिकतर मामलों में गरीब मां-बाप ने अपना पेट काट कर बेटे को पाला पोसा था। बुढ़ापे में नौजवान बेटे की शहादत और बहू का सब कुछ अपने साथ ले जाना उनके लिए दोहरा आघात होता था। हमने प्रदेश कैबिनेट की बैठक

में निर्णय लिया कि अगर तो पुनर्विवाह उसी परिवार में होता है तो सभी कुछ वैसे ही रहेगा लेकिन यदि वीर नारी कहीं दूसरी जगह शादी करती है तो सरकार की ओर से मिली राशि में से आधी राशि उस युद्ध विधवा को और आधी राशि बूढ़े मां-बाप को दी जाएगी। यदि शहीद के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हों और मां तथा दादा-दादी से अलग रहते हों तो एक-तिहाई राशि बच्चों को दी जाएगी। राष्ट्रभक्ति के साथ-साथ एक-दूसरे के प्रति संवेदनशीलता के भी कई उदाहरण देखने को मिले। शिमला जिले का एक अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखने वाला जवान शहीद हुआ था। घर की आर्थिक स्थिति भी कमजोर थी। जब हमने अनुग्रह राशि उन्हें दी तो उस शहीद के परिवार ने कहा, हमें आधी राशि ही दीजिए, अभी युद्ध चल रहा है और शहीद हो रहे हैं आपको कई और परिवारों की सहायता करनी है, हमें आधी राशि दे दो बाकि किसी और परिवार के काम आ जाएगी। शहीद की शहादत को तो नमन था ही पर गरीब परिवार की संवेदनशीलता और दूसरों के प्रति समर्पण की भावना से हम सभी द्रवित हो गए। पालमपुर जहां एक ओर प्रथम परमवीर चक्र विजेता, मेजर सोमनाथ शर्मा का घर था, वहीं कारगिल युद्ध के नायक परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बतरा, का भी घर है। उस दिन हम कैप्टन विक्रम बतरा के पार्थिव शरीर का इन्तजार कर रहे थे, वहीं पर कारगिल युद्ध के प्रथम शहीद कैप्टन सौरभ कालिया की माता विजय कालिया और कैप्टन विक्रम बतरा की माता साथ-साथ बैठी थीं। विजय कालिया श्रीमती बतरा को ढांढस बंधा रही थीं, एक महान मां दूसरी महान माता को साहस बंधा रही थी। शायद यही जीवन है। इसी प्रकार जिला बिलासपुर की एक बहादुर मां कौशल्या देवी जब मिली तो उन्होंने कहा कि कल मंगल सिंह की अर्थी को डेढ़ किलो मीटर मैंने कंधा दिया। मैंने पहली बार सुना कि शहीद की मां ने अपने शहीद सुपुत्र की अर्थी को कंधा दिया हो।

सोलन जिला मुख्यालय में चपरासी के पद पर नियुक्त एक व्यक्ति का सैनिक बेटा शहीद हो गया। अंतिम संस्कार में भाग लेने के बाद हम उसके घर ढांढस बंधाने के लिए गए। शहीद की मां ने कहा कि मेरा बेटा देश के काम आ गया, दूसरा बेटा दसवीं कक्षा में पढ़ रहा है, यह भी पढ़कर फौज में भर्ती होगा और देश की सेवा करेगा। जिला हमीरपुर के बमसन क्षेत्र में पहाड़ी के ऊपर एक बगलू गांव है, यहां से राजकुमार सुपुत्र खजान सिंह शहीद हुए थे।

# दीर्घकालीन लक्ष्य होते हैं आदर्श बजट के

सुबीर रॉय

हर साल केंद्रीय सरकार पहले आर्थिक सर्वे और फिर बजट प्रस्तुत करती है। सर्वे के जरिये बताया जाता है कि अर्थव्यवस्था की हालत क्या है और बजट के माध्यम से अपनी सोची कार्ययोजना पेश करती है। इनको दो विचारों के मद्देनजर देखा जाता है- मौजूदा परिस्थिति के परिप्रेक्ष्य में क्या किया जाना चाहिए? और क्या चीजें सही दिशा में जाने वाली हैं? किंतु लगता है सरकार इतने में खुश है कि पिछले 10 सालों की सत्ता के दौरान उसकी उपलब्धि क्या रही। वित्तीय वर्ष -2023-24 में आर्थिक वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही, इस तरह भारत दुनियाभर की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती आर्थिकी बना, जबकि वर्ष 2023 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत रही। भारत को इस बात पर यकीन है 2024-25 में मुद्रास्फीति 4.5 फीसदी के अंदर रख पाएगा। लेकिन यह दृश्यावली इतनी भी गुलाबी नहीं है। वर्ष 2023-24 के बीच खुदरा महंगाई दर 5.4 प्रतिशत रही। इससे भी अधिक चिंताजनक यह कि खाद्य महंगाई दर 7.5 प्रतिशत जितनी ऊंची रही।

कुल मिलाकर, इस क्षेत्र में कारगुजारी बेहतर रहने के साथ, आर्थिक सर्वे में 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के ध्येय की पूर्ति हेतु अगले सालों में वृद्धि दर पाने की रणनीति के बारे में बताया गया है। वृद्धि निरंतर बनी रहे इसके लिए निजी क्षेत्र को अपनी पूंजी तलाशनी होगी। भारत को हरित ऊर्जा राष्ट्र में तबदील करने के लिए सार्वजनिक-निजी साझेदारी को बढ़ावा देना होगा। सरकार को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग तंत्र में खामियों को दूर करना होगा ताकि उनकी तरक्की होती रहे। नीतियों को अमलीजामा पहनाने के लिए राजकीय मशीनरी और व्यवस्था के लिए अपनी कामकाजी गति बढ़ाना जरूरी है। यदि यह अगले 25 सालों का दीर्घकालीन ध्येय है तो इसकी शुरुआत अब हम कहां से करें? प्रथम, करदाताओं के लिए अच्छी खबर यह है कि मानक कर कटौती (स्टैंडर्ड टैक्स डिडक्शन) को 50,000 रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये कर दिया गया है।

टैक्स स्लैब में कुछ बदलाव किया गया है ताकि नौकरीपेशा लोगों के हाथ में 17,000 रुपये तक बचत हो पाए। व्यावसायिक लोग कार्यबल का हिस्सा बनें, इसके लिए उन्हें प्रोत्साहन पैकेज मिलेगा। इससे 20 लाख से अधिक युवाओं को फायदा होने की उम्मीद है। न केवल वेतन पाने वालों को बल्कि पूंजी निवेश से लाभ कमाने वालों को भी आमदनी कर में छूट देकर राहत दी गई है। इस प्रकार, यह बजट मध्य वर्ग का मददगार है, क्योंकि उन्हें कर कम चुकाना पड़ेगा। विद्रूपता यह कि सबसे गरीब तबका, जिसे यूं तो आयकर नहीं देना पड़ता, तथापि अपने उपभोग की तमाम उन वस्तुओं पर वह कर चुकाता है, जो जीएसटी तंत्र के तहत आती हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों को जीएसटी से जुड़े विषयों में सुधार और अधिक किए जाने की जरूरत है, हालांकि इन पर सर्वसम्मति पाना सदा कठिन रहा है। इसके अलावा, यह भी गलत है कि सेस से होने वाली कमाई अकेले केंद्र के हिस्से आए, जिसे वह आगे राज्यों से बांटना नहीं चाहता। उगाहे गए कराधान की जरूरत सूबों को भी उतनी है ताकि वे अपने विकास ध्येयों को पूरा कर पाएं। मसलन, गरीब छात्रों के लिए शिक्षा सुनिश्चित करना।

बजट में भाजपा के सहयोगी दल, जैसे कि नीतीश कुमार के जद यू और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देसम पार्टी को खुश करने के लिए कई बड़ी परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। भाजपा, जिसके पास अपने बूते सरकार बनाने का पूर्ण बहुमत नहीं है, हर हीले-हवाले से केंद्र में अपनी सत्ता कायम रखना चाहेगी। स्वीकृत मुख्य परियोजनाओं में, पटना-पूर्णिया और बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस-वे के अतिरिक्त बिहार के बक्सर जिले में गंगा नदी पर दो लेन वाला पुल बनना है। इसके अलावा, भागलपुर के पीरपैंती में 2400 मेगावाट क्षमता वाला बिजलीघर बनेगा। आंध्र प्रदेश के लिए रेल एवं सड़क मार्ग परियोजनाएं घोषित की गई हैं, इसकी नई बनने वाली राजधानी के लिए 15,000 करोड़ रुपये देना घोषित किया गया है। इस बजट, जो कि राजनीति साधने का उपाय अधिक है, का ध्येय साफ है—यह सुनिश्चित करना कि भाजपा के मुख्य सहयोगी दल- जिनकी बैसाखी के बिना भाजपा सत्ता में नहीं टिक पाएगी- और मध्य वर्ग संतुष्ट रहे। मध्य वर्ग को खुश करने के पीछे मुख्य वजह भाजपा पर हावी व्यापारी वर्ग का धंधा चलाए रखने के आरोप से मुक्ति क्योंकि, यदि चुनावी आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो छोटे वोट बैंक के तौर पर मध्य वर्ग की हैसियत नहीं है कि चुनाव परिणामों पर फर्क डाल सके। सत्ताधारियों का मनोरथ सदा अपने लोगों को खुश रखना होता है।

सरकार के लिए चीजें अच्छी नहीं हैं। बेशक दुनियाभर के आर्थिक टीकाकार भारत की उच्च वृद्धि दर की वाहवाही करें, लेकिन यह वृद्धि लगातार बनी रहे, इसके लिए कार्यबल का निरंतर बेहतर कौशल से लैस होते रहना और उसका स्वास्थ्य बढ़िया रहना नितांत जरूरी है। लेकिन मौजूदा बजट में इन महत्वपूर्ण विषयों के लिए नए कार्यक्रम केवल नाम भर के हैं। इसलिए कुल मिलाकर महसूस यह हो रहा है कि भले ही सत्ताधारी दल को अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं की तो समझ पूरी है, लेकिन नजरिया दूरदर्शी नहीं है। बजट से उम्मीदें उन मुद्दों को भी रेखांकित करने की थी जो वक्त की जरूरत है, चाहे जमीनी हकीकत कुछ भी हो। आर्थिक वृद्धि दर की ऊपर उठती रेखा के बावजूद, वस्तुओं की बाजार मांग कमजोर है, रोजगार के मौके गंभीर रूप से बहुत कम हैं। क्या उच्च आर्थिक वृद्धि का फल अधिकांश लोगों को मिल रहा है?

# सावन में शिव पूजा करने पर होगी सभी सुखों की प्राप्ति

सावन का महीना भगवान शिव को सबसे अधिक प्रिय है। इस पवित्र महीने में महिलाएं प्रत्येक सोमवार को व्रत रखकर महादेव की पूजा-अर्चना करती हैं। माना जाता है कि भगवान शिव की उपासना करने से जीवन में सुख समृद्धि आती है। साथ ही व्यक्ति की सभी मनोकामना भी पूरी होती है। हिंदू धर्म में सावन का विशेष धार्मिक महत्व होता है। श्रावण मास को साल का सबसे पवित्र महीना माना जाता है। बहुत से लोग इस माह को सावन का महीना भी कहते हैं। सावन में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा बहुत श्रद्धा और भक्ति भाव से की जाती है। इस वर्ष की खास बात ये है कि श्रावण मास की शुरुआत सोमवार के दिन हो रही है। सावन माह में शिव आराधना करने पर सभी तरह के सुखों की प्राप्ति होती है।

## सावन सोमवार का महत्व

कहा जाता है कि जो व्यक्ति सावन के सोमवार का व्रत करता है और भोलेनाथ का पूजन करता है उसके वैवाहिक जीवन खुशियों से भर उठती है। साथ ही जीवन में सुख समृद्धि की कभी कमी नहीं होती। सावन के महीने में महादेव पर धतूरा, बेलपत्र चावल चंदन, शहद आदि जरूर चढ़ाना चाहिए। सावन के महीने में की गई पूजा से भोलेनाथ जल्दी प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा सावन के सोमवार का व्रत करने से कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

## पूजा का शुभ मुहूर्त

सावन सोमवार पर व्रती सुबह शिवलिंग पर जलाभिषेक करके व्रत का आरंभ करते हैं और फिर पूरे दिन व्रत करते हैं। कुछ महिलाएं मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए सोमवार व्रत करती हैं और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। ऐसी मान्यता है कि शाम के वक्त में रुद्राभिषेक करने से शिवजी साधक के सभी कष्टों को दूर करते हैं। मान्यता है कि इस महीने में किए गए दान और पुण्य का फल कई गुना बढ़ जाता है।

## श्रावण मास में क्या होता है?

इस पावन मास में भक्त माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा करते हैं। अविवाहित बालिकाएं श्रावण के हर मंगलवार को मंगला गौरी का व्रत रखती हैं। सावन महीने के दौरान कांवड़ यात्रा भी बहुत प्रसिद्ध है, जिसमें भक्त पवित्र गंगा के पास अलग अलग धार्मिक स्थानों पर भी जाते हैं और वहां से गंगाजल लाकर शिवरात्रि के दिन भगवान शिव को चढ़ाते हैं।

# इन मंदिरों में करें भगवान शिव के दर्शन

### सोमनाथ मंदिर, काठियावाड़

गुजरात में स्थित सोमनाथ मंदिर भी 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस मंदिर को भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में प्रथम ज्योतिर्लिंग माना जाता है। त्रिवेणी संगम पर स्थित यह मंदिर गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र में समुद्र के किनारे स्थित है। सावन में भक्तों की यहां बड़ी संख्या में भीड़ होती है।

### लिंगराज मंदिर, ओडिशा

आप सावन में लिंगराज मंदिर का भी दर्शन करने का प्लान कर सकते हैं। यह देश के प्रमुख शिव मंदिरों में से एक है। यह भुवनेश्वर का सबसे बड़ा मंदिर है। बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण सोमवंसी राजवंश द्वारा किया गया है। इस मंदिर का दर्शन करने के लिए अच्छा समय सावन माना जाता है।

### मुरुदेश्वर मंदिर, कर्नाटक

उत्तरी कर्नाटक में स्थित मुरुदेश्वर मंदिर भक्तों के बीच काफी लोकप्रिय है। यह स्थान भगवान शिव की दूसरी सबसे ऊंची प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है। इस मंदिर का मुख्य आकर्षण इसके आसपास का सुंदर परिदृश्य है। मूर्ति के पास एक 20 मंजिला मंदिर बनाया गया है जो भगवान शिव को समर्पित है। मंदिर के पास एक लिफ्ट भी बनाई गई है, जिससे पर्यटक विशाल प्रतिमा के शानदार दृश्य का आनंद ले सकते हैं।

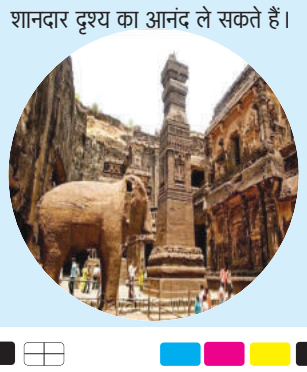

### कैलाश मंदिर, महाराष्ट्र

एलोरा में स्थित यह भारत के सबसे बेहतरीन शिव मंदिरों में से एक माना जाता है। इसे एलोरा के कैलाश मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि इस मंदिर के निर्माण में करीब 40 हजार टन वजनी पत्थरों को काटा गया था। यह एलोरा में मौजूद 34 मंदिरों का एक हिस्सा है। यह मंदिर 8वीं शताब्दी में बनाया गया था। सावन में इस मंदिर का दीदार जरूर करें।

## हंसना मना है

पति- देखो बाहर बारिश हो रही है। पत्नी- कुछ सोचना भी मत। घर में बेसन नहीं है, प्याज वैसे भी बहुत महंगे हैं और आज बाई भी नहीं आई है, सारे बर्तन जूठे पड़े हैं। हां, अब ये मत कह देना कि चलो एक गिलास और आइस दे दो, बच्चे अब बड़े हो गए हैं, ये सब अब घर में बिल्कुल नहीं चलेगा। पति झल्लाकर बोला- अब क्या मैं ये भी नहीं कह सकता हूं कि बाहर बारिश हो रही है।

भिखारी- बाबूजी आप मुझे 150 रुपये देकर मेरी मदद कीजिए। मैं अपने परिवार से बिछुड़ गया हूं। मोनू- पहले बताओ तुम्हारा परिवार कहां है? भिखारी- मल्टीप्लेक्स में फिल्म देख रहा है।

संता- यार मेरे बोर्ड के एग्जाम शुरू होने वाले हैं, बंता- अबे तो डरता क्यों है? संता- सब बोलते हैं दसवीं का एग्जाम ही सबसे इम्पोर्टेन्ट हैं, बंता- अबे ज्यादा टेंशन मत ले, 10वीं की मार्कशीट तो बस जन्मतिथि देखने के काम ही आती है।

## कहानी — जमींदार और मजदूर के कर्म का फल

एक गांव में जमींदार और उसके एक मजदूर की साथ ही मौत हुई। दोनों यमलोक पहुंचे। धर्मराज ने जमींदार से कहा, आज से तुम मजदूर की सेवा करोगे। मजदूर से कहा, अब तुम कोई काम नहीं करोगे, आराम से यहां रहोगे। जमींदार परेशान हो गया। पृथ्वी पर तो मजदूर जमींदार की सेवा करता था, पर अब उल्टा होने वाला था। जमींदार ने कहा, भगवन, आप ने मुझे यह सजा क्यों दी? मैं तो भगवान का परम भक्त हूं। प्रतिदिन मंदिर जाता था। देसी घी से भगवान की आरती करता था और बहुमूल्य चीजें दान करता था। धर्म के अन्य आयोजन भी मैं करता ही रहता था। धर्मराज ने मजदूर से पूछा, तुम क्या करते थे पृथ्वी पर? मजदूर ने कहा, भगवन, मैं गरीब मजदूर था। दिन भर जमींदार के खेत में मेहनत मजदूरी करता था। मजदूरी में उनके यहां से जितना मिलता था, उसी में परिवार के साथ गुजारा करता था। मोह माया से दूर जब समय मिलता था तब भगवान को याद कर लेता था। भगवान से कभी कुछ मांगा नहीं। गरीबी के कारण प्रतिदिन मंदिर में आरती तो नहीं कर पाता था, लेकिन जब घर में तेल होता तब मंदिर में आरती करता था और आरती के बाद दीपक को अंधेरी गली में रख देता था ताकि अंधेरे में आने-जाने वाले लोगों को प्रकाश मिले। धर्मराज ने जमींदार से कहा, आपने सुन ली न मजदूर की बात? भगवान धन-दौलत और अहंकार से खुश नहीं होते। भगवान मेहनत और ईमानदारी से कमाने वाले व्यक्ति से प्रसन्न रहते हैं। यह मजदूर तुम्हारे खेतों में काम करके खुश रहता था और सच्चे मन से भगवान की आराधना करता था। जबकि तुम आराधना ज्यादा धन पाने के लिए करते थे। तुम मजदूरों से ज्यादा काम लेकर कम मजदूरी देते थे। तुम्हारे इन्हीं कामों के कारण तुम्हें मजदूर का नौकर बनाया गया है ताकि तुम भी एक नौकर के दुख-दर्द को समझ सको।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** — नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

**वृषभ** — राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**मिथुन** — किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें।

**कर्क** — राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

**सिंह** — आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा।

**कन्या** — यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

**तुला** — व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

**वृश्चिक** — थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

**धनु** — शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

**मकर** — व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें।

**कुम्भ** — नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

**मीन** — रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी।

# बैड न्यूज की सफलता से उत्साहित तृप्ति डिमरी हॉलीवुड में करेंगी फिल्में!



बॉलीवुड | मसाला

‘एनिमल’ और ‘बैड न्यूज’ दो हिट फिल्मों के बाद तृप्ति डिमरी के करियर को नई दिशा मिली है. आज तृप्ति घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी हैं। अपने एक्टिंग करियर में उन्होंने सिर्फ एक रोल निभाकर वो मुकाम पा लिया है, जिसके लिए एक्टिंग की दुनिया में काफी संघर्ष करना पड़ता है। आगे एक्ट्रेस हॉलीवुड में काम करना चाहती हैं।

तृप्ति इन दिनों अपनी हर फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर हिट कराने के लिए जद्दोजहद कर रही हैं। एनिमल में अपने रोल से रातोंरात स्टार बनीं एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। तृप्ति डिमरी ‘बैड न्यूज’ के साथ फिर से दर्शकों के सामने अपनी एक्टिंग से साबित कर दिया है कि उनमें एक्टिंग टैलेंट की कमी नही हैं।’गुड न्यूज’ और ‘एनिमल’ जैसी मूवीज से तृप्ति ने अपनी अलग पहचान बना ली है। अब एक्ट्रेस हॉलीवुड में काम करने की चाह रखती हैं।

तृप्ति ने वैरायटी को दिए इंटरव्यू में बताया कि वह अब हॉलीवुड में ऑडिशन देने के लिए तैयारी कर रही हैं। वह एक एजेंट की तलाश कर रही हैं। तृप्ति डिमरी ने कहा, अगर मुझे कहीं छोटा सा किरदार भी मिलता है, तो मैं उसे भी करने के लिए काफी एक्साइटेड हूं। बॉलीवुड के साथ-साथ मुझे हॉलीवुड स्टार के काम करने का तरीका भी बहुत पसंद है।’

### दिल खोलकर की प्रियंका चोपड़ा की तारीफ

तृप्ति डिमरी ने अपने करियर को फिर से शुरू करने के लिए दूसरे देश में जाकर कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए प्रियंका चोपड़ा की तारीफ की है। वोग इंडिया को दिए एक इंटरवयू में एक्ट्रेस ने कहा कि प्रियंका बहुत टैलेंटेड हैं। हॉलीवुड में जाकर अपने करियर को नई दिशा देने के लिए बहुत हिम्मत की जरूरत होती है। मुझे लगता है कि उनमें ऐसा करने की हिम्मत थी।’बता दें कि इन दिनों विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क की एंटरटेनर फिल्म, बैड न्यूज, भी पर्दे पर धूम मचा रही है। दर्शकों के साथ-साथ फिल्म की समीक्षकों ने भी जमकर तारीफ की है। कमाई के मामले में भी फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

# हीरोगिरी के बाद अब खलनायकी करेंगे अर्जुन रामपाल

वेब सीरीज ‘राणा नायडू 2’ ने दर्शकों को खूब आकर्षित किया है, जो जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसका टीजर रिलीज हो गया है। राणा नायडू सीजन 2 में दर्शकों को अर्जुन रामपाल भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। शो के टीजर में उनके किरदार की जबरदस्त झलक देखने को मिली है। वेब सीरीज में अर्जुन रामपाल शानदार किरदार में नजर आएंगे। वे अद्भुत एक्शन करते हुए दिखेंगे। शो की स्टार कास्ट में अर्जुन रामपाल के शामिल होने से दर्शकों में सीरीज को देखने की जिज्ञासा बढ़ गई है। वे सीरीज की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

राणा नायडू सीजन 2 का टीजर लंबे इंतजार के बाद रिलीज हुआ। राणा दग्गुबाती को आप राणा नायडू का किरदार दोहराते हुए देखेंगे। साथ ही, वेंकटेश दग्गुबाती ने भी सीरीज में वापसी की है। टीजर के अंत में अर्जुन रामपाल के एक शॉट ने दर्शकों को खुश कर दिया। अर्जुन रामपाल को बंदूक चलाते हुए देखा जा सकता है जो बताता है कि वे पूरी सीरीज में जमकर मारधाड़ करते दिखेंगे। टीजर में उन्हें देखकर लग रहा है कि वे सीरीज में विलेन बने हैं। गौरतलब है कि अर्जुन रामपाल ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत में ज्यादातर हीरो के रोल निभाए थे। उन्हें खलनायकी करते हुए देखना उनके फैंस के लिए यकीनन खास अनुभव साबित होगा। सीरीज में राणा नायडू अमीर और मशहूर हस्तियों की समस्याओं का समाधान करने वाला व्यक्ति है जो अपने क्लाइंट को किसी भी तरह का नुकसान नहीं होने देता, हालांकि उसके पिता के सामने आने से राणा नायडू की लाइफ फिर से प्रभावित होती है। इससे उनके जीवन में नया मोड़ आता है। जब उसके पिता जेल से रिहा होते हैं, तो राणा की जिंदगी में कई फेरबदल होते हैं। सीरीज की कहानी में फिर जबरदस्त ट्विस्ट आता है जो आपको देखने के बाद ही पता चलेगा।



बॉलीवुड | मन की बात

# दिल्ली में हुई घटना को यादकर सिहर उठती हूं : तिलोत्तमा शोम

तिलोत्तमा शोम को इन दिनों मेल सेक्स वर्कर्स पर बनी वेब सीरीज त्रिभुवन मिश्रा सीए टॉपर में देखा जा रहा है। इस फिल्म में तिलोत्तमा के साथ मानव कौल भी लीड रोल में दिख रहे हैं। फिलहाल एक्ट्रेस अपनी इस सीरीज के प्रमोशन में व्यस्त चल रही हैं। इसी बीच अब उन्होंने एक इंटरव्यू में एक ऐसा खुलासा किया है कि हर कोई चौंक गया है। तिलोत्तमा ने इस बातचीत में सेक्स एजुकेशन को लेकर भी खुलकर बात की है। तिलोत्तमा ने बताया कि उनके पेरेंट्स बहुत नॉन जजमेंटल हैं और इसी कारण वह उनसे किसी भी तरह के सवाल आराम से बिना किसी झिझक के कर पाती थीं। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपने पेरेंट्स से कुछ भी पूछती थीं। जैसे- सेक्स कैसे होता है, बच्चे कैसे आते हैं। वो लोग भी उनके हर सवाल का जवाब देते थे। इसी दौरान एक्ट्रेस ने अपने साथ हुई ईव टीजिंग की एक घटना को भी याद किया। उन्होंने बताया कि वह एक समय दिल्ली में थीं। सर्दियों का मौसम था इसलिए अंधेरा भी जल्दी हो गया था। शाम का वक्त था और वह बस स्टैंड पर खड़ी थीं। तभी उनके पास एक कार आकर रुकी और उसमें से 6 लड़के उतरे। एक्ट्रेस ने कहा कि पहले तो उन्हें समझ नहीं आया कि कार बस स्टैंड पर क्यों रुकी। तिलोत्तमा ने बताया कि उन्हें कुछ गड़बड़ लगने लगी जिसकी वजह से वह उन लड़कों से दूर हट गईं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने तिलोत्तमा पर भद्दे कमेंट्स करने शुरू कर दिए। एक्ट्रेस को कुछ समझ नहीं आया और वह बस अपनी जान बचाने के लिए सड़क के बीचों-बीच जाकर लिफ्ट मांगने लगीं। ऐसे में एक कार रुकी और तिलोत्तमा फ्रंट सीट पर जाकर बैठ गईं। इसके बाद उस कार वाले ने अपनी पैंट की जिप खोली और एक्ट्रेस का हाथ पकड़ लिया। तिलोत्तमा ने तुरंत अपना हाथ झटक छुड़वाया। तिलोत्तमा को तमतमाया देख उस आदमी ने कार रोकी और उसे उतरने के लिए कहा। इस घटना से तिलोत्तमा काफी घबरा गई थीं। एक्ट्रेस ने कहा कि उस दिन वह अपने घर नहीं गईं, बल्कि अपनी एक दोस्त के घर चली गईं। दरअसल, एक्ट्रेस नहीं चाहती थीं कि उन्हें घबराया हुआ देख उनके पेरेंट्स उनके लिए परेशान हो जाएं।

# भारत के इस राज्य को कहा जाता है अंडे की टोकरी? नाम सुनकर हैरान रह जाएंगे आप!

आज के दौर में कम्पिटिशन बहुत ज्यादा है। इस कारण से छात्रों को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। कई छात्र ऐसे भी हैं, जो पढ़ाई के साथ-साथ नौकरी की भी तैयारी करते हैं। इनमें से सरकारी जॉब से लेकर प्राइवेट जॉब तक शामिल हैं। लेकिन इन तमाम जगहों पर परीक्षा को पास करने के लिए हमारे पास सामान्य ज्ञान की जानकारी का होना बहुत आवश्यक है। कई बार इंटरव्यू राउंड में सामान्य ज्ञान के सवालों को भी पूछा जाता है। चाहे मीडिया सेक्टर का जॉब हो या फिर फूड इंडस्ट्री का, यह प्रश्न आपसे कभी पूछा जा सकता है कि भारत के किस राज्य को अंडों की टोकरी कहा जाता है? वैसे हम आपकी थोड़ी मदद कर देते हैं। देशभर में यह राज्य मछली, मांस और अंडे के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है, जिन्हें विदेशों में भेजा जाता है। इनकम टैक्स जमा करने के मामले में भी यह राज्य देश में छठे नंबर पर आता है। यहां से करीब सालाना 46 हजार करोड़ रुपये का इनकम टैक्स वसूला जाता है।

इसके अलावा, लेबर फोर्स भागीदारी में भी राज्य भारत में सर्वोच्च स्थान पर है। राज्य में 15-29 वर्ष के युवाओं की भागीदारी 45त्न और कुल मिलाकर 55 ।1त्न है। क्या अब आपको उस राज्य का नाम याद आया? अगर अब भी समझ नहीं आया तो बता दें कि उस राज्य का नाम आंध्र प्रदेश है। इस राज्य को भारत की अंडे की टोकरी कहा जाता है, क्योंकि यहां बड़ी मात्रा में अंडे का उत्पादन होता है ।आंध्र प्रदेश में न सिर्फ सबसे ज्यादा अंडे होते हैं, बल्कि धान का पैदावार भी ज्यादा होता है। इस वजह से इसे चावल की टोकरी भी कहा जाता है।

अजब-गजब | यहां 74 फीसदी महिलाएं घरों के बजट करती हैं मैनेज

# इस देश में बीवियां होती हैं पैसों की इंचार्ज, पतियों को देती हैं पॉकेट मनी!

भारत के मध्यम वर्गीय या निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों में पहले ये बड़ी ही आम बात थी कि पति, या फिर पैसे कमाने वाला व्यक्ति, अपनी पूरी पगार लाकर अपनी बीवी या फिर मां के हाथ में रख देता था। उस दौरान औरतें घर चलाती थीं, और सिर्फ पुरुष ही नौकरी किया करते थे। भारत में आज भी कई हिस्सों में ये चलन है कि पुरुष, अपनी आमदनी को घर की लक्ष्मी, यानी बीवियों या मांओं के हाथ में रख देते हैं। पर आपको ये जानकर हैरानी होगी कि सिर्फ भारत ही ऐसा देश नहीं है, जहां ऐसा रिवाज है। एक और देश ऐसा है, जहां पर बीवियां पैसों की इंचार्ज होती हैं और वो अपने पतियों को जेब खर्च या पॉकेट मनी देती हैं। पतियों के खर्च पर रोक लगाने के लिए भी वो अलग-अलग तरह के कदम उठाती हैं।
साल 2012 की एक रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया गया था कि 74 फीसदी जापानी घरों के बजट महिलाएं ही मैनेज करती हैं, जबकि पुरुष सिर्फ पैसे कमाते हैं। रिपोर्ट में 36 साल के योशिहीरो नोजावा का जिक्र किया गया था, जो नौकरी करते थे और सैलरी मिलते ही पूरे पैसे आकर अपनी बीवी को दे देते थे। उसके बाद महीने की 15 तारीख को उनकी बीवी उन्हें पॉकेट मनी के रूप में 30 हजार येन दिया करती थीं जो आज के हिसाब से 16 हजार रुपये होता है।

**पतियों को मिलती है पॉकेट मनी**

उस वक्त शख्स की बीवी ने कहा था कि जब उसके दो बच्चे हुए, जो रिपोर्ट लिखते वक्त 6 और 8 साल के थे, तब उन्होंने घर के आर्थिक मामलों की जिम्मेदारी अपने हाथ में ले ली और खर्च खुद ही संभालने लगीं। जापान में पतियों को दी जाने वाली इस पॉकेट मनी को ‘कोजुकाई’ कहते हैं। इसके जरिए वहां पर खर्चे करने की आदत को संचालित कहना उद्देश्य है, जबकि पतियों की प्रोडक्टिविटी भी इससे बढ़ाई जाती है।

**इस वजह से पति देते हैं सैलरी**

एक रिपोर्ट के अनुसार जापान में पति अपनी पत्नियों को 3 कारणों से पैसे देते हैं। पहला ये कि जापानी संस्कृति में पुरुष पैसे कमाते रहे हैं और महिलाएं घर के काम करती रही हैं। घर मैनेज करने की वजह से घर के फाइनैंस को भी मैनेज करना महिलाओं की ही जिम्मेदारी हुआ करती थी। दूसरा कारण है कि पूरे पैसे देने से पति-पत्नी में भरोसा और रिश्ते में पारदर्शिता आती है। इस रिवाज को प्रैक्टिकल भी माना जाता है क्योंकि जब बीवी घर पर बच्चों के साथ होगी, तो उसे पैसे खर्च करने की या राशन आदि लाने की जरूरत पड़ सकती है। इस वजह से उसे रुपयों की जरूरत होती है।

# कोचिंग सेंटर में हादसे पर गरमाई सियासत

» एलजी सचिवालय पर आप विधायक और पार्षदों ने किया प्रदर्शन

» घटना की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित

» राव आईएएस कोचिंग सेंटर का मालिक और संचालक गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजेंद्र नगर में हुए हादसे के बाद दिल्ली की सियासत भी तेज हुई है। कांग्रेस, भाजपा समेत कई दलों ने एमसीडी पर जमकर हमला बोला है। उधर आम आदमी पार्टी के विधायक और पार्षद सोमवार दोपहर एक बजे एलजी सचिवालय पर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन दिल्ली नगर निगम के कमिश्नर को हटाने की मांग को लेकर किया जा रहा है। नालों की सफाई न करने पर अफसरों पर कार्रवाई की मांग की।

वहीं अब नियमों को ताक पर रखने वाले कोचिंग संचालकों पर एमसीडी कड़ी कार्रवाई करने जा रहा है वह बेसमेंअ में चल रही की संस्थाओं को सील करेगा। दिल्ली पुलिस ने राव आईएएस स्टडी सर्किल के मालिक अभिषेक गुप्ता व संचालक देशपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया। दोनों पर गैर इरादतन हत्या समेत अन्य आरोपों में मामला दर्ज किया गया है। कोर्ट ने आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मंडल आयुक्त को हादसे की जांच कर मंगलवार तक रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। घटना से आक्रोशित छात्रों ने रविवार को कोचिंग सेंटर के बाहर जमकर प्रदर्शन किया और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

## दिल्ली में आप सरकार और भाजपा आमने-सामने

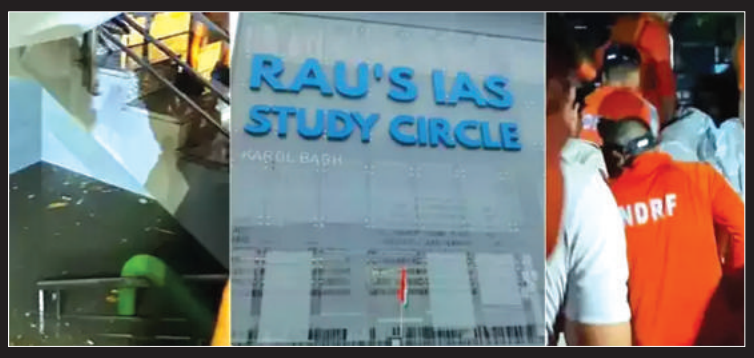


### असुरक्षित निर्माण, तंत्र की साझा असफलता: राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी 'एक्स' पर पोस्ट किया कि दिल्ली की एक इमारत के 'बेसमेंट' में पानी भर जाने के कारण प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन अभ्यर्थियों की मौत बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ दिन पहले बारिश के दौरान करंट लगने से एक अभ्यर्थी की मौत हो गई थी। सभी शोकाकुल परिजनों के प्रति भावपूर्ण संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि इस तरह का असुरक्षित निर्माण, तंत्र की साझा असफलता है। राहुल गांधी ने कहा कि सुरक्षित जीवन हर नागरिक का अधिकार है और इसे सुनिश्चित करना सरकारों का दायित्व है।

### घटना सरकार और प्रशासन की आपराधिक लापरवाही : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह बहुत दुखद है कि सरकार और प्रशासन की आपराधिक लापरवाही के कारण राजधानी में एक आईएएस कोचिंग संस्थान के 'बेसमेंट' में पानी भरने की वजह से तीन युवाओं की जान चली गई। उन्होंने कहा कि हम शोकसंतप्त परिजन के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले, पटेल नगर में जलभराव के बाद करंट लगने से एक सिविल सेवा परीक्षा के एक अन्य अभ्यर्थी की मौत हो गई थी। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि दिल्ली की एक कोचिंग के 'बेसमेंट' में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत की घटना हृदयविदारक है। दिवंगत आत्माओं एवं शोकाकुल परिजनों के लिए ईश्वर से प्रार्थना करती हूं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि हाल में पटेल नगर में एक छात्र की करंट लगने से मौत हो गई थी।

### दोषी को बक्शा नहीं जाएगा : आतिशी

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि दिल्ली की मेयर और स्थानीय विधायक भी वहां हैं। मैं हर मिनट घटना की खबर ले रही हूं। ये घटना कैसे घटी, इसकी मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इस घटना के लिए जो भी जिम्मेदार है, उसको बक्शा नहीं जाएगा। आतिशी ने मुख्य सचिव को घटना पर जांच शुरू करने और 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है।

### नियमों का उल्लंघन करने वाली कोचिंगों पर होगी कार्रवाई : मेयर

मेयर शैली ओबेरॉय ने बताया कि राव कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में गलत तरीके से बच्चों को पढ़ाया जा रहा था। इस बेसमेंट का इस्तेमाल पार्किंग और स्टोर के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति थी। उनका मानना है कि कुछ अन्य कोचिंग सेंटरों में भी इस तरह का उल्लंघन हो रहा है। एमसीडी ने नियमों का उल्लंघन करने वाले कोचिंग केंद्रों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। वह बेसमेंट में अवैध रूप से संचालित प्रतिष्ठानों की पहचान कर ली है। जल्द ही संस्थानों को सील किया जाएगा। इसके अलावा निगम राव कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन छात्रों की मौत की घटना की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है।

### त्रासदी नहीं बल्कि हत्या है : सचदेवा

भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि वहां जो हुआ वह त्रासदी नहीं बल्कि हत्या है। बेसमेंट में लाइब्रेरी कैसे चल रही थी? पहले जो जांच बैठाई गई थी उसका क्या हुआ?। भाजपा का कहना है कि यह साफ तौर पर नालों की सफाई न होने के कारण हुई दुर्घटना है और नाले का पानी कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में बहुत तेजी घुसा। इस दुर्घटना के लिए दिल्ली सरकार की आपराधिक लापरवाही जिम्मेदार है। जल बोर्ड मंत्री आतिशी और स्थानीय विधायक दुर्गेश पाठक को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए।

# हेमंत सोरेन पर जज का फैसला बिल्कुल ठीक : सुप्रीम कोर्ट

» जमानत पर ईडी की याचिका की खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत देने के हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को 'बेहद तर्कपूर्ण बताया है, ये तर्क देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका को खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने के हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका की सुनवाई के दौरान कहा, हाई कोर्ट के द्वारा दिया गया, ये अच्छा योग्य फैसला है, जज ने तर्कसंगत फैसला सुनाया है, हम आदेश में दखल देने के इच्छुक नहीं हैं, हालांकि, हाईकोर्ट की टिप्पणियों का ट्रायल पर कोई असर नहीं होगा। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के वी विश्वनाथन की बेंच का ये फैसला है। सुनवाई के दौरान जस्टिस गवई ने कहा, हाई कोर्ट ने सभी बयानों पर सही तरीके से विचार किया है। हम और कुछ नहीं कहना चाहते। अगर हम कहेंगे तो आप मुश्किल में पड़ सकते हैं।

# सीएम और मंत्री के दावे की भ्रष्ट बाबू ने खोली पोल

» भ्रष्टाचार की शिकायत का पत्र 9 महीने तक अधिकारियों ने दबाया

» बाबू गौरव त्रिपाठी पर हर फाइल पर 3 फीसदी कमिशन लेने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ और नगर विकास मंत्री एके शर्मा के दावों के बाद भी लखनऊ नगम निगम भ्रष्टाचार कम नहीं हो रहा है। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत बाबू गौरव त्रिपाठी पर बिल बनाने और उसके बाद बजट पास कराने के नाम पर अलग - अलग पैसा लेने का आरोप लगा है। स्वास्थ्य विभाग में काम करने वालों ठेकेदारों ने मेयर सुषमा खर्कवाल को इसके लिए पत्र लिखा है।

आरोप है गौरव पहले तो काम कराने के बाद बजट फाइल बनाने के नाम पर 1 फीसदी और उसके बाद उसी बिल को पास कराने के लिए 2 फीसदी रिश्वत मांगता है। जो ठेकेदार ऐसा नहीं करते है उनकी फाइल को महीनों लटका दिया जाता है।

### ठेकेदारों ने लगाई गुहार

ठेकेदारों का कहना था कि उनके पैसे मांगने की वजह से सभी लोगों कम कर्मचारी लगाकर काम करते है। बड़ी बात यह है कि यह शिकायत अक्टूबर 2023 में की गई थी। 9 महीने बीत गए है लेकिन नगर निगम प्रशासन के कुछ अधिकारियों ने इस शिकायत को भी दबा दिया। बताया जा रहा है कि इसमें गौरव त्रिपाठी के साथ कुछ आला अधिकारी मिले हुए है। यह वह अधिकारी हैं जिनके पास स्वास्थ्य विभाग का काम है। सूत्रों का कहना है कि एक बड़े अधिकारी को गौरव त्रिपाठी ने पिछले दिनों करीब 5 लाख रुपए रिश्वत दिया है।

### करोड़ों की प्रॉपर्टी बनाई

लिखित शिकायत में ठेकेदारों ने कहा है कि गौरव त्रिपाठी ने करोड़ों रुपए की प्रापर्टी बनाई है। उसने सुलतापुर रोड पर फ्लैट , जमीन और मकान ले रखा है। ठेकेदारों ने उसकी आय की जांच कराने का आदेश दिया था। यह भी आरोप है कि गौरव ने कई प्रापर्टी अपने करीबी रिश्तेदारों के नाम पर लिखा है, जिससे कि अगर जांच होगी तो उसके ऊपर कोई हाथ न डाल पाए।

### आरआर विभाग में भी कर चुका है भ्रष्टाचार

यह पहला मौका नहीं जब गौरव के खिलाफ कोई शिकायत हुई हो। वह पहले भी विवादों में रहा है। उसकी ड्यूटी कोविड से पहले आरआर विभाग में थी। उस समय आरोप लगा था कि उसने तात्कालिक आरआर चीफ राम नगीना त्रिपाठी के हस्ताक्षर खुद कर दिया था। इस दौरान भी बड़े स्तर पर खेल हुआ था। उस मामले में राम नगीना त्रिपाठी भी फंसते नजर आए थे। गौरव को शासन स्तर से भी समर्थन रहता है। यही वजह से नगर आयुक्त कोई भी इसका पोस्टिंग हमेशा मलाईदार जगहों पर रहती है।

# मनु ने पदक पर लगाया निशाना, भारत का खुला खाता

» ओलंपिक निशानेबाजी में मिला कांसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के लिए दूसरा दिन शानदार रहा। जहां निशानेबाजी में मनु भाकर ने भारत को पहला मेडल ब्रॉन्ज के रूप में दिलाया। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में तीसरा स्थान हासिल करते हुए अपना पहला ओलंपिक मेडल जीता। हालांकि, भारतीय महिला आर्चरी टीम को निराशा मिली और वह बाहर हो गई। पीवी सिंधु ने पेरिस ओलंपिक में अपने अभियान की दमदार शुरुआत की है।

सिंधु ने विमेंस सिंगल्स के ग्रुप रू में अपने पहला मुकाबले में मालदीव की फातिमा नबाहा अब्दुल रज्जाक को आसानी से शिकस्त दी। सिंधु ने ये मैच 21-9, 21-6 से जीता। सिंधु को ये मैच जीतने में सिर्फ 29 मिनट का समय लगा। अब सिंधु अपने दूसरे ग्रुप मैच में 31 जुलाई को एस्टोनिया की क्रिस्टिन कुबा का सामना करेंगी। उस मैच को जीतने पर वह प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच जाएंगी। टेबल टेनिस की उभरती हुई स्टार श्रीजा अकुला ने पेरिस ओलंपिक में शानदार जीत के साथ शुरुआत की है। राउंड ऑफ 64 के मुकाबले में उन्होंने स्वीडन की खिलाड़ी क्रिस्टीना कल्बर्ग के खिलाफ आसान जीत दर्ज की। इसके साथ ही मनिका बत्रा भी दूसरे दौर में पहुंच गई हैं। जहां उन्होंने कड़े मुकाबले में ग्रेट ब्रिटेन की अन्ना हर्सी को 4-1 से हराया। इस जीत के साथ मनिका बत्रा राउंड के लिए क्वालीफाई कर गई हैं। हालांकि, शरत कमल को निराशा हाथ लगी है। वह पुरुष टेबल टेनिस सिंगल्स प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं।

### भारत से छिना ताज, श्रीलंकाई महिला टीम बनी एशिया की चैंपियन

श्रीलंकाई महिला टीम ने अपने घर में खेले गए महिला एशिया कप 2024 टूर्नामेंट में इतिहास रच दिया है। फाइनल मुकाबला रविवार को दांबुला में खेला गया। जिसमें श्रीलंका ने भारतीय महिला टीम को 8 विकेट से हराकर पहली बार खिताब जीत लिया है। बता दें कि, भारत विमेंस एशिया कप की सबसे सफल टीम है। अब तक महिला एशिया कप के 9 सीजन हो चुके हैं, जिससे से भारतीय टीम 7 बार चैंपियन रही है। पिछली बार 2022 में विमेंस एशिया कप खेला गया था। तब भारत ने फाइनल मुकाबले में श्रीलंका को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। महिला एशिया कप के पिछले 8 सीजन में से एक ही बार बांग्लादेश ने 2018 सीजन अपने नाम किया था। 7 बार भारत जीता था। लेकिन ये 9वां सीजन श्रीलंकाई टीम ने जीतकर इतिहास रच दिया है। दूसरी ओर पाकिस्तान टीम अब तक कोई भी महिला एशिया कप खिताब नहीं जीत सकी।

**मनकामेश्वर मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़**

लखनऊ। राजधानी के प्राचीन मनकामेश्वर मंदिर में सावन के दूसरे को काफी भीड़ रही। जैसे-जैसे दिन चल रहा है, वैसे-वैसे श्रद्धालुओं की संख्या और भी ज्यादा बढ़ रही है। मनकामेश्वर मंदिर राजधानी का सबसे पुराना प्राचीन मंदिर है। यहां की मान्यता है कि जो भी व्यक्ति यहां पर सावन के मौके पर माथा टेकता है उसकी सारी मनोकामना पूर्ण होती है।

## यूपी मानसून सत्र का पहला दिन

फोटो: सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

यूपी मानसून सत्र के प्रथम दिन सीएम के साथ सत्तादल के विधायकों ने बढ़-चढ़कर जहां हिस्सा लिया। वहीं विपक्ष के नेताओं का सरकार के प्रति आक्रोश जाहिर करने का अंदाज अनोखा रहा।

# बिहार सरकार को 'सुप्रीम' झटका

### पिछड़े वर्गों के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण का आदेश रहेगा रद्द, पटना हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**पटना। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पटना हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसमें बिहार में पिछड़े वर्गों के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण को रद्द कर दिया गया था। बिहार सरकार ने आरक्षण को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने के सरकार के फैसले को रद्द करने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।**

पटना हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने 20 जून को बिहार विधानसभा द्वारा 2023 में पारित संशोधनों को यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि वे संविधान की शक्तियों से परे हैं और संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 के तहत समानता खंड का उल्लंघन करते हैं। पिछले महीने पटना हाईकोर्ट ने सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में राज्य द्वारा निर्धारित 65 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को रद्द कर दिया था। उच्च न्यायालय ने मार्च में राज्य में सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षण संस्थानों में पिछड़े, अत्यंत पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए कोटा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

# 'युवाओं के सपने चकनाचूर परिवारों की उम्मीदें खत्म'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राव कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी में डूबकर यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करने वाली दो छात्राओं और एक छात्र की मौत हो गई। इस मामले में कांग्रेस सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर हादसे को शर्मनाक बताया है।**

थरूर कहा कि ने जान गंवाने वाले छात्रों के परिवार बर्बाद हो गए हैं। सांसद थरूर कहा, यह शर्मनाक है, इसमें कोई शक नहीं है। उन युवाओं के सपने चकनाचूर हो गए हैं, उनके परिवारों की उम्मीदें भी खत्म हो गई हैं। यह देश के लिए, देश के भविष्य के लिए और युवाओं के भविष्य के लिए बेहद दुखद है। जब किसी की जान चली जाती है तो आप क्या उपाय कर सकते हैं? उन्होंने जान गंवाने वालों के लिए मुआवजा देने की मांग की।

# केजरीवाल के खिलाफ सीबीआई ने दाखिल किया आरोपपत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट में अब समाप्त हो चुकी आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूरक आरोपपत्र दाखिल किया। दिल्ली आबकारी नीति के कथित दुरुपयोग की व्यापक जांच के बाद आरोपपत्र दाखिल किया गया, जिसमें काफी वित्तीय कदाचार शामिल होने का दावा किया गया है।**

यह आरोपपत्र हाई-प्रोफाइल शराब मामले से संबंधित कथित अनियमितताओं की जांच का हिस्सा है, जिसने सार्वजनिक और राजनीतिक ध्यान आकर्षित किया है। आरोपपत्र दाखिल करना दिल्ली आबकारी नीति के कथित दुरुपयोग की व्यापक जांच के बाद किया गया है, जिसमें

### » शराब नीति मामले में की कार्रवाई

काफी वित्तीय कदाचार शामिल होने का दावा किया गया है। सीबीआई की यह कार्रवाई केजरीवाल के लिए बढ़ती परेशानियों के बीच हुई है, जो गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं, जो दिल्ली के सीएम के रूप में उनकी स्थिति और राष्ट्रीय राजधानी में व्यापक राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित कर सकते हैं।

शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया कि केजरीवाल के साथ राजनीतिक कैदी जैसा व्यवहार किया जा रहा है।

# आत्म-अनुशासन के बिना कोई पूजा संभव नहीं: सीएम योगी

### » मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रियों से की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूरे विश्व में विख्यात भगवान शिव का पवित्र सावन महीना देश में शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव का शुभ महीना सावन शुरू हो चुका है। सावन माह की कांवर यात्रा तो पूरी दुनिया जानती है। भगवान शिव के भक्त देश भर में शिव मंदिरों में जलाभिषेक कर रहे हैं।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो, इसके लिए राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा समुचित व्यवस्था की गयी है। उन्होंने भक्तों से आत्म-अनुशासन सुनिश्चित करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि उनकी सुरक्षित और संरक्षित यात्रा के लिए राज्य और केंद्र सरकार द्वारा उचित व्यवस्था की गई है ताकि किसी भी श्रद्धालु को कोई समस्या न हो। भगवान शिव की कृपा हम पर सदैव बनी रहती है। आत्म-अनुशासन के बिना इनमें से कुछ भी संभव नहीं है। इस यात्रा को पूरा करने के लिए व्यक्ति में समर्पण और अनुशासन होना जरूरी है। योगी ने आगे कहा कि हम देख रहे हैं कि न केवल सरकार बल्कि विभिन्न समाजों के लोग भी भगवान शिव के प्रति पूरी आस्था के साथ यात्रा में शामिल हैं।

# 'केंद्रीय बजट से बीजेपी ने लिया देश से बदला'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने वित्त वर्ष 2024-25 के आम बजट को लेकर केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला किया। स्टालिन ने बजट को भाजपा द्वारा देश से लिया गया ''बदला'' बताते हुए चेतावनी दी कि ''गलतियों पर गलतियां'' करने के कारण पार्टी को आगे भी चुनावों में हार का सामना करना पड़ेगा।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को नयी दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने के अपने फैसले के बारे में स्टालिन ने कहा कि वह बजट में तमिलनाडु के प्रति दर्शाये गए ''भेदभावपूर्ण रवैये'' के कारण न्याय की मांग के साथ जन मंच पर बोलने के लिए ''मजबूर'' हैं। स्टालिन ने एक बयान में कहा कि 37,000 करोड़ रुपये की आपदा राहत और चेन्नई मेट्रो रेल के दूसरे चरण के लिए निधि दिए जाने की राज्य की अपील पर ध्यान नहीं दिया गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।